AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

भौतिकी विभाग को मिले दो करोड़ रुपये

लखनऊ। लविवि के भौतिकी विभाग को पांच साल की अवधि के लिए दो करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता राशि बुधवार को जारी हुई। भौतिकी विभाग के प्रस्ताव को डीएसटी एफआईएसटी सलाहकार बोर्ड ने अनुशंसित किया है। जानकारी के मुताबिक, गत चार अक्तूबर को आईआईटी मुंबई में विशेषज्ञ समिति के सामने इसका प्रजेंटेशन हुआ था। इसके तहत विभाग में अनुसंधान सुविधाओं को मजबूत किया जाएगा। परियोजना में एनालिटिकल स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप के लिए 14 लाख रुपये और थ्रोमोग्रैविमेट्रिक एनालाइजर के लिए 40 लाख रुपये दिए गए हैं। वहीं, 20 लाख रुपये की राशि से रखरखाव दुरुस्त किया जाएगा। शेष राशि से अनुसंधान के अन्य कार्य होंगे। (संवाद)

25 से सुबह 10 बजे खुलेगी टैगोर लाइब्रेरी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में 25 दिसंबर से एक जनवरी तक शीतकालीन अवकाश घोषित किया गया है। ऐसे में टैगोर लाइब्रेरी सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक खुलेगी। पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. डीके सिंह ने बुधवार को इस बाबत संशोधित समय की सूचना जारी की है। (संवाद)

ट्यूनिशिया संग अनुसंधान पर रहेगा जोर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ट्यूनीशिया की यूनिवर्सिटी डे ला मनौबा के साथ मिलकर अनुसंधान व शैक्षणिक गतिविधियां बढ़ाने जा रहा है। बुधवार को ट्यूनीशिया की यूनिवर्सिटी डे ला मनौबा में भौतिक विज्ञान की प्रोफेसर बौथिना केरकेनी ने कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय से शिष्टाचार भेंट की। प्रो. बौथिना केरकेनी ने बताया कि वह दोनों विश्वविद्यालयों के बीच एमओयू , साझा अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए आई हैं। वह प्रो. पूनम टंडन और डॉ. अलका मिश्रा के साथ अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देना चाहती हैं। भौतिक विज्ञान विभाग के अन्य प्रोफेसर अमृतांशु शुक्ल और डॉ. विवेक कुमार सिंह से भी चर्चा की। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 6

एमसीक्यू प्रणाली पर होंगी को-करिकुलर परीक्षाएं

एलयू

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के स्नातक प्रथम और तृतीय सेमेस्टर के छात्रों की को-करिकुलर विषयों की समस्या का समाधान कर दिया गया है। हिन्दुस्तान समाचार पत्र ने छात्रों की समस्या को छह दिसम्बर के अंक में छात्र नहीं जानते कौन सा को-करिकुलर विषय पढ़ें शीर्षक के साथ प्रमुखता से प्रकाशित किया था।

जनवरी से विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू हो सकती हैं और अभी तक छात्रों को विषय और सिलेबस की जानकारी ही नहीं थी। बुधवार को विश्वविद्यालय ने को-करिकुलम विषयों की सूची वेबसाइट पर अपलोड कर दी है। जिसके माध्यम से छात्र अपने विषयों का चयन कर सकते हैं। इसके साथ ही ये सभी साफ कर दिया गया है कि को-करिकुलर विषय की परीक्षा बहुविकल्पीय प्रश्न पत्र प्रणाली (एमसीक्यू) आधारित होगी।

भौतिक विज्ञान को दो करोड़ की स्वीकृति: लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के प्रस्ताव को डीएसटी-फिस्ट सलाहकार बोर्ड द्वारा पांच साल की अवधि के लिए दो करोड़ की राशि दी गई है।

जानकारी के अनुसार पिछली बार विभाग को 19 लाख रुपये की डीएसटी-एफआईएसटी सहायता वर्ष 2003-08 में मिली थी। चार अक्टूबर 2022 को आईआईटी मुंबई में विशेषज्ञ समिति के समक्ष इस परियोजना के लिए प्रस्तुति दी गई थी।

■ जनवरी से विषम सेमेस्टर की परीक्षा शुरू हो सकती हैं

क्या है एमसीक्यू

मल्टीपल चाइस क्वेश्चन (एमसीक्यू) को बहुविकल्पीय प्रश्न पत्र प्रणाली भी कहते हैं। इसके अन्तर्गत किसी एक सवाल के चार विकल्प ए, बी, सी और डी दिए जाते हैं। दिए गए विकल्पों में से एक जवाब सही होता है और सही जवाब के सामने परीक्षार्थी को टिक लगाना होता है।

ट्यूनीशिया विवि से आयीं प्रो. केरकेनी ने की चर्चा

ट्यूनीशिया की यूनिवर्सिटी डे ला मनौबा में भौतिक विज्ञान की प्रो. बौथिना केरकेनी इन दिनों लखनऊ विश्वविद्यालय आई हुई हैं। उन्होंने दोनों विश्वविद्यालयों के बीच एमओयू, साझा अनुसंधान एवं शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए एलयू कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय से साथ मुलाकात की। प्रोफेसर केरकेनी ने बताया कि उनके आने का मुख्य उद्देश्य प्रोफेसर पूनम टंडन और डॉ. अलका मिश्रा के साथ साझा अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देना था।

i-NEXT PAGE 4

दो कंपनियों में जॉब के लिए 26 तक आवेदन

लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग प्लेसमेंट सेल ने उपलब्ध कराया मौका

LUCKNOW (21 Dec): लखनऊ विश्वविद्यालय में प्लेसमेंट आफर का सिलसिला जारी है. विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय ने दो और कंपनियों में नौकरी के लिए स्नातक छात्र-छात्राओं को आवेदन का मौका दिया है. विद्यार्थी 26 दिसंबर तक टेक महिंद्रा और विप्रो कंपनी में गूगल फार्म के माध्यम से आवेदन सकते हैं.

ऑनलाइन भी आवेदन

इंजीनियरिंग संकाय के प्लेसमेंट सेल प्रभारी डा. हिमांशु पांडेय ने बताया कि टेक महिंद्रा कंपनी में कस्टमर सपोर्ट एसोसिएट के पद पर बीए, बीएससी, बीबीए, बीकाम के स्टूडेंट्स आवेदन सकते हैं. 26 दिसंबर के बाद आनलाइन परीक्षा और साक्षात्कार होगा. चयनित छात्र-छात्राओं को 2.50 लाख रुपये सालाना पैकेज मिलेगा.

यहां 3.08 लाख का पैकेज

विप्रो कंपनी में 400 से ज्यादा बीबीए, बीए, बीएससी, बीकाम, बीसीए डिग्री धारक आवेदन कर चुके हैं. अब 26 दिसंबर तक फिर आवेदन की तिथि बढ़ाई गई है. कस्टमर सर्विस रिप्रजेंटेटिव के पद पर चयन के लिए पांच और छह जनवरी को प्लेसमेंट ड्राइव होगी. चयनित विद्यार्थियों को 3.08 रुपये सालाना मिलेगा. गौरतलब है कि इस साल लखनऊ यूनिवर्सिटी ने अपने स्टूडेंट्स के लिए कई कंपनियों को बुलाकर उन्हें जॉब उपलब्ध कराई है.

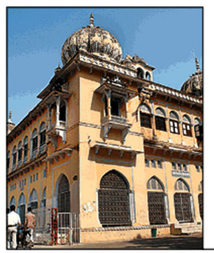

एलयू और डे ला मनौबा यूनिवर्सिटी के बीच होगा एमओयू

लखनऊ विश्वविद्यालय जल्द ही ट्यूनीशिया की यूनिवर्सिटी डे ला मनौबा के बीच अनुसंधान एवं शैक्षिक गतिविधियों के लिए एमओयू करेगा. बुधवार को डे ला मनौबा यूनिवर्सिटी के भौतिक विज्ञान की प्रो. बौथिना केरकेनी ने एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय के साथ मुलाकात की. प्रोफेसर केरकेनी ने बताया कि उनके आने का मुख्य उद्देश्य प्रोफेसर पूनम टंडन और डा. अलका मिश्रा के साथ साझा अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देना था, जिससे विज्ञान की कुछ महत्वपूर्ण चुनौतियों पर मिलकर काम किया जा सके. प्रोफेसर केरकेनी ने बताया कि वीसी संग बातचीत मे ट्यूनीशिया और भारत के बीच छात्रों के आदान-प्रदान पर भी चर्चा हुई. उन्होंने भौतिक विज्ञान विभाग के अन्य सदस्यों से भी साझा शैक्षणिक गतिविधियों पर चर्चा की.

आज लगेगा रोजगार मेला

अटल बिहारी वाजपेयी नगर निगम डिग्री कालेज में गुरुवार को लखनऊ स्मार्ट सिटी के तत्वावधान से उद्यमिता विकास संस्थान की ओर से रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा. इसमें 11 प्रमुख कंपनियां बैंकिंग, रिटेल, टेलीकालर, फाइनेंस, इलेक्ट्रानिक्स सहित विभिन्न सेक्टर में नौकरियों के आफर देंगी.

भौतिक विज्ञान विभाग को मदद

LUCKNOW (21 Dec): लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के प्रस्ताव को डीएसटी-फिस्ट सलाहकार बोर्ड ने मंजूरी दे दी है. इसके तहत विभाग को पांच साल की अवधि के लिए दो करोड़ की राशि दी गई है. इस राशि में एनालिटिकल स्कैनिंग इलेक्ट्रान माइक्रोस्कोप के लिए 14.0 लाख रुपये और थ्रोमोग्रैविमेट्रिक एनालाइजर के लिए 40 लाख रुपये शामिल हैं. 20 लाख रुपये की राशि रखरखाव आदि के लिए है.

सम्मानित किया गया है

विभाग के हेड प्रोफेसर एनके पांडेय ने बताया कि पिछली बार विभाग को 19 लाख रुपये की डीएसटी-एफआइएसटी सहायता वर्ष 2003-08 में मिली थी. चार अक्टूबर को आइआइटी मुंबई में विशेषज्ञ समिति के समक्ष इस परियोजना के लिए प्रस्तुति दी गई थी.

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

ट्यूनीशिया यूनिवर्सिटी करेगी लविवि से करार

लखनऊ। ट्यूनीशिया की यूनिवर्सिटी डे ला मनौबा से भौतिक विज्ञान की प्रो. बौथिना केरकेनी लविवि आई हुई हैं। उन्होंने भविष्य के लिए दोनों विश्वविद्यालयों के बीच एमओयू , साझा अनुसंधान एवं शैक्षणिक गतिविधियों के लिए लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के साथ शिष्टाचार मुलाकात की। प्रो. केरकेनी ने बताया कि लविवि के साथ साझा अनुसंधान गतिविधियों को वढ़ावा देना है, जिससे विज्ञान की चुनौतियों पर काम किया जा सके। ज्ञात हो कि प्रो. केरकेनी, फैकल्टी डेस साइंसेज डे ट्यूनिस, यूनिवर्सिट ट्यूनिस एल मनार, ट्यूनीशिया में क्वांटम रसायन विज्ञान अनुसंधान समूह की प्रमुख हैं।

भौतिकी विभाग को मिली दो करोड़ की राशि :

लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के प्रस्ताव को डीएसटी-फिस्ट सलाहकार वोर्ड द्वारा अनुशंसित किया गया है। विभाग को पांच साल की अवधि के लिए दो करोड़ की राशि दी गई है। पिछली वार विभाग को 19 लाख रूपये की डीएसटी-एफआईएसटी सहायता वर्ष 2003-08 में मिली थी। चार अक्टूवर, 2022 को आईआईटी मुंवई में विशेषज्ञ समिति के समक्ष इस परियोजना के लिए प्रस्तुति दी थी। विभाग को मुख्य रूप से विभाग में अनुसंधान सुविधाओं को मजवूत करने के लिए परियोजना से सम्मानित किया गया है। परियोजना में एनालिटिकल स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप के लिए 14.0 लाख रूपये और थ्रोमोग्रैविमेट्रिक एनालाइजर के लिए 40 लाख रूपये शामिल हैं। 20 लाख रूपये की राशि रखरखाव आदि के लिए है। यह मौद्रिक सहायता विभाग में पहले से ही प्रगतिशील अनुसंधान और शोध के इकोसिस्टम को वढ़ावा देने का कार्य करेगी।

JAGRAN CITY PAGE III

दो कंपनियों में नौकरी के लिए आवेदन 26 तक

जासं, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय में प्लेसमेंट आफर का सिलसिला जारी है। विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय ने दो और कंपनियों में नौकरी के लिए स्नातक छात्र-छात्राओं को आवेदन का मौका दिया है। विद्यार्थी 26 दिसंबर तक टेक महिंद्रा और विप्रो कंपनी में गूगल फार्म के माध्यम से आवेदन सकते हैं।

इंजीनियरिंग संकाय के प्लेसमेंट सेल प्रभारी डा. हिमांशु पांडेय ने बताया कि टेक महिंद्रा कंपनी में कस्टमर सपोर्ट एसोसिएट के पद पर बीए, बीएससी, बीबीए, बीकाम के छात्र-छात्राएं https://forms.gle/GKhwFp9LtSiCnTAH7 आवेदन सकते हैं। 26 दिसंबर के बाद आनलाइन परीक्षा और साक्षात्कार होगा। चयनित छात्र-छात्राओं को 2.50 लाख रुपये सालाना पैकेज मिलेगा।

रोजगार मेला आज : अटल नगर निगम डिग्री कालेज में गुरुवार को रोजगार मेला लगेगा।

लविवि : जारी हुई को-करिकुलर कोर्सों की सूची, अब होगी पढ़ाई

जागरण प्रभाव

जासं, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय ने आखिरकार बुधवार को स्नातक प्रथम व तृतीय सेमेस्ट के छात्र-छात्राओं के लिए को-करिकुलर कोर्सों की सूची वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर जारी कर दी। प्रथम सेमेस्टर में 19 और तृतीय सेमेस्टर में कुल 16 कोर्सों सूची में शामिल हैं। विश्वविद्यालय से सम्बद्ध कालेज अपनी सुविधा के अनुसार इनमें से विद्यार्थियों को पढ़ने का विकल्प दे सकते हैं।

लविवि ने नई शिक्षा नीति के अंतर्गत स्नातक में को-करिकुल एवं वोकेशनल कोर्सों की शुरुआत की थी। सत्र 2022-23 के लिए अभी तक इन कोर्सों की सूची नहीं जारी हुई थी, जिसकी वजहसे अब तक विश्वविद्यालय एवं कालेजों में इनकी कक्षाएं नहीं शुरू हो पाईं। बुधवार को दैनिक जागरण ने 'नहीं शुरू हुईं को-करिकुलर की कक्षाएं' शीर्षक के साथ खबर प्रकाशित की थी। शाम को कुलसचिव संजय मेधावी ने इसकी सूची और सिलेबस वेबसाइट पर जारी करवा दिया। हालांकि इसमें सिर्फ कला संकाय के विभागों की ओर से बनाए गए को-करिकुलर कोर्सों को जारी किया गया है। सूची में विज्ञान और वाणिज्य संकाय से एक भी को-करिकुलर नहीं आए।

अभी वोकेशनल के लिए करना होगा इंतजार: विश्वविद्यालय ने प्रथम और तृतीय सेमेस्टर के लिए को-करिकुलर कोर्सों की सूची तो जारी कर दी। लेकिन दूसरे और चौथे सेमेस्टर के लिए वोकेशनल की सूची अभी नहीं आई। कुलसचिव संजय मेधावी का कहना है कि वाणिज्य और विज्ञान संकाय की ओर से सिर्फ वोकेशनल कोर्स ही बनाकर दिए हैं।

दैनिक जागरण ने बुधवार के अंक में छात्रों की यह समस्या प्रमुखता प्राकशित की थी, इसके बाद हरकत में आया लवि प्रशासन

लखनऊ विश्वविद्यालय व डे ला मनौबा यूनिवर्सिटी के बीच होगा एमओयू

लवि जल्द ही ट्यूनीशिया की यूनिवर्सिटी डे ला मनौबा के बीच अनुसंधान एवं शैक्षिक गतिविधियों के लिए एमओयू करेगा। बुधवार को डे ला मनौबा यूनिवर्सिटी के भौतिक विज्ञान की प्रो. बौथिना केरकेनी ने लवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के साथ मुलाकात की। प्रोफेसर केरकेनी ने बताया कि उनके आने का मुख्य उद्देश्य प्रोफेसर पूनम टंडन और डा. अलका मिश्रा के साथ साझा अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देना था। जिससे विज्ञान की कुछ महत्वपूर्ण चुनौतियों पर मिलकर काम किया जा सके। बताते चलें कि प्रो. केरकेनी, फैकल्टी डेस साइंसेज डे ट्यूनिस, यूनिवर्सिटी ट्यूनिस एल मनार, ट्यूनीशिया में क्वांटम रसायन विज्ञान अनुसंधान समूह की प्रमुख हैं। उनका शोध इंटरस्टेलर माध्यम में जीवन की उत्पत्ति के परिणामी प्रभावों के साथ भौतिक और रासायनिक प्रक्रियाओं को समझने पर केंद्रित है। गैस चरण में रासायनिक प्रतिक्रियाओं के क्षेत्र और

PIONEER PAGE 3

एलयू से एमओयू को लेकर कुलपति से मिलीं ट्यूनीशिया की यूनिवर्सिटी की एक्सपर्ट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

ट्यूनीशिया की यूनिवर्सिटी डेला मनौबा मे भौतिक विज्ञान की प्रो बौथिना केरकेनी ने बुधवार को अपने लखनऊ प्रवास के दौरान विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय से मुलाकात कीं। मुलाकात के दौरान उन्होंने कुलपति से भविष्य के लिए दोनो विश्वविद्यालयों के बीच एमओयू, साझा अनुसंधान एवं शैक्षणिक गतिविधियों के लिए चर्चा की।

प्रो.केरकेनी ने बताया कि उनके आने का मुख्य उद्देश्य प्रोफेसर पूनम टंडन और डॉ अलका मिश्रा के साथ साझा अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देना था, जिससे विज्ञान की कुछ महत्वपूर्ण चुनौतियों पर मिलकर काम किया जा सके। बताते चलें कि प्रो. केरकेनी, फैकल्टी डेस साइंसेज डे ट्यूनिस, यूनिवर्सिटी ट्यूनिस एल मनार, ट्यूनीशिया में क्वांटम रसायन विज्ञान अनुसंधान समूह की प्रमुख हैं। उनका शोध इंटरस्टेलर माध्यम में जीवन की उत्पत्ति के परिणामी प्रभावों के साथ भौतिक और रासायनिक प्रक्रियाओं को समझने पर केंद्रित है। गैस चरण में रासायनिक प्रतिक्रियाओं के क्षेत्र और इंटरस्टेलर माध्यम के धूल कणों पर छात्रों के लिए ऑनलाइन सेमिनार और कार्यशाला आयोजित करने के बारे में कई विचारों पर सकारात्मक पहल की गई है। प्रो. केरकेनी ने बताया कि कुलपति के साथ बातचीत मे ट्यूनीशिया और भारत के बीच छात्रों के आदान-प्रदान पर भी चर्चा हुई। उन्होंने भौतिक विज्ञान विभाग के अन्य सदस्यों से भी साझा शैक्षणिक गतिविधियों पर चर्चा की, जिनमे प्रोफेसर अमृतांशु शुक्ल और डा विवेक कुमार सिंह भी शामिल रहे। प्रोफेसर केरकेनी लखनऊ विश्वविद्यालय में विभागों की संख्या, विश्वविद्यालय के छात्र केंद्रित वातावरण और परिसर में स्वादिष्ट भारतीय भोजन से काफी प्रभावित दिखी। उन्होंने मेजबान टीम का आभार व्यक्त किया और इस बहुसांस्कृतिक शहर में आने का आनंद लिया।

एलयू के भौतिकी विभाग को डीएसटी-फिस्ट से मिला दो करोड़ का अनुदान

लखनऊ। विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग को डीएसटी-फिस्ट सलाहकार बोर्ड द्वारा पांच साल की अवधि के लिए 2 करोड़ की राशि दी गई है। इसके लिए विभाग की तरफ से प्रस्ताव भेजा गया था। वैसे पिछली बार विभाग को 19 लाख रुपये की डीएसटी-एफआईएसटी सहायता वर्ष 2003-08 में मिली थी। 4 अक्टूबर 2022 को मुंबई में विशेषज्ञ समिति के समक्ष इस परियोजना के लिए प्रस्तुति दी गई थी।

विभाग को मुख्य रूप से विभाग में अनुसंधान सुविधाओं को मजबूत करने के लिए परियोजना से सम्मानित किया गया है।

परियोजना में एनालिटिकल स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप के लिए 14 लाख रुपये और थ्रोमोग्रैविमेट्रिक एनालाइजर के लिए 40 लाख रुपये शामिल हैं। 20 लाख रुपये की राशि रखरखाव आदि के लिए है। यह मौद्रिक सहायता विभाग में पहले से ही प्रगतिशील अनुसंधान और शोध के इकोसिस्टम को बढ़ावा देने का कार्य करेगी।

साझा अनुसंधान गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा

अमृत विचार संवाददाता

मुलाकात

- लविवि व ट्यूनीशिया की यूनिवर्सिटी डे ला मनौबा के बीच भौतिक विज्ञान को लेकर एमओयू

लखनऊ। ट्यूनीशिया की यूनिवर्सिटी डे ला मनौबा में भौतिक विज्ञान की प्रो. बौथिना केरकेनी ने बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के साथ शिष्टाचार मुलाकात की। प्रो. केरकेनी ने बताया कि उनके आने का मुख्य उद्देश्य प्रो. पूनम टंडन और डॉ. अलका मिश्रा के साथ साझा अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देना था। जिससे विज्ञान की कुछ महत्वपूर्ण चुनौतियों पर मिलकर काम किया जा सके।

लविवि व ट्यूनीशिया की यूनिवर्सिटी डे ला मनौबा में भौतिक विज्ञान के बीच हुए एमओयू साझा अनुसंधान एवं शैक्षणिक गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण बताते हए कुलपति आलोक कुमार राय ने इसे उपलब्धि बताया है। उन्होंने बताया कि प्रो. केरकेनी, फैकल्टी डेस साइंसेज डे ट्यूनिस, यूनिवर्सिट ट्यूनिस एल मनार, ट्यूनीशिया में क्वांटम रसायन विज्ञान अनुसंधान समूह की प्रमुख हैं। उनका शोध इंटरस्टेलर माध्यम में जीवन की उत्पत्ति के परिणामी प्रभावों के साथ भौतिक और रासायनिक प्रक्रियाओं को समझने पर केंद्रित है। गैस चरण में रासायनिक प्रतिक्रियाओं के क्षेत्र में और इंटरस्टेलर माध्यम के धूल कणों पर छात्रों के लिए ऑनलाइन सेमिनार और कार्यशाला आयोजित करने के बारे में कई विचारों पर सकारात्मक पहल की गई है।

प्रो. केरकेनी ने बताया कि कुलपति के साथ बातचीत मे ट्यूनीशिया और भारत के बीच छात्रों के आदान-प्रदान पर भी चर्चा हुई। उन्होने भौतिक विज्ञान विभाग के अन्य सदस्यों से भी साझा शैक्षणिक गतिविधियों पर चर्चा की, जिनमे प्रोफेसर अमृतांशु शुक्ल और डा विवेक कुमार सिंह भी शामिल रहे। प्रोफेसर केरकेनी लखनऊ विश्वविद्यालय में विभागों की संख्या, विश्वविद्यालय के छात्र केंद्रित वातावरण और परिसर में स्वादिष्ट भारतीय भोजन से काफी प्रभावित हुईं। उन्होंने मेजबान टीम का आभार व्यक्त किया और इस बहुसांस्कृतिक शहर में आने का आनंद लिया।

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि का दीक्षांत समारोह 21 जनवरी को

अमृत विचार संवाददाता

आयोजन

- लविवि के नए परिसर में नव वर्ष में होगा दीक्षांत समारोह तैयारियों में आई तेजी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने दीक्षांत समारोह की तिथि को लेकर लंबे समय से चल रही अटकलों पर विराम लगा दिया है। विवि के मुताबिक अब दीक्षांत समारोह नए साल में नए परिसर में 21 जनवरी को मनाया जाएगा। इसको लेकर तैयारी शुरू कर दी गई है। बताया जा रहा है कि पूर्व में राजभवन ने लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के लिए 12 दिसंबर की तिथि को रद्द कर दिया था, जिसके बाद अब 21 जनवरी की तिथि की संस्तुति मिली है।

बता दें की दीक्षांत समारोह दिसंबर में कराने को लेकर नवंबर महीने में तैयारियां शुरू की गई थी, लेकिन समारोह तिथि फाइनल न होने से अंतिम रूप नहीं दिया गया था। बुधवार को तिथि तय होने के बाद तैयारियां तेज कर दी गई हैं। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि विश्वविद्यालय ने कुलपति स्वर्ण पदक, कुलाधिपति और डॉ. चक्रवर्ती स्वर्ण पदक के लिए छात्र-छात्राओं के नाम मांगे थे। इसको लेकर नोटिफिकेशन जारी करते हुए सभी डीन, छात्रावास के प्रोवोस्ट व एथलेटिक एसोसिएशन को पत्र भेज दिया गया था। इन पदक के लिए छात्र-छात्राओं के नाम की संस्तुति मांगी थी जो आ चुकी है, लेकिन तिथि की घोषणा न होने से इस पर आगे की कार्रवाई रुकी हुई थी। जो अब फिर से शुरू कर दी गई है। दीक्षांत समारोह के लिए तैयारी चल रही है। तीन प्रमुख स्वर्ण पदक के लिए विभागों को पत्र भेजा था। विभागों से विद्यार्थियों के नाम आने के बाद कमेटी स्क्रीनिंग करके साक्षात्कार व अन्य प्रक्रिया पूरी की जाएगी। जो नाम फाइनल होंगे, उन्हें दीक्षांत समारोह में पदक दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि दीक्षांत समारोह की तैयारियों को अब अंतिम रूप दिया जाएगा। जल्द ही पदक व उपाधि पाने वाले छात्रों के नाम की भी घोषणा कर दी जाएगी।

लविवि के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि दीक्षांत समारोह की तैयारियां तेज हो गई हैं। समारोह नव वर्ष पर 21 जनवरी को लविवि के नए परिसर जानकीपुरम में मनाया जाएगा।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

ट्यूनीशिया विवि. और एलयू के बीच समझौता

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। ट्यूनीशिया की यूनिवर्सिटी डे ला मनौबा में भौतिक विज्ञान की प्रो. बौथिना केरकेनी लविवि आई हुई हैं। उन्होंने भविष्य के लिए दोनों विश्वविद्यालयों के बीच समझौता ज्ञापन, एमओयू करके साझा अनुसंधान एवं शैक्षणिक गतिविधियों के लिए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के साथ विशिष्टता मुलाकात की। प्रो. केरकेनी ने बताया कि उनके आने का मुख्य उद्देश्य प्रो. पूनम टंडन और डॉ. अलका मिश्रा के साथ साझा अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देना था, जिससे विज्ञान की कुछ महत्वपूर्ण चुनौतियों पर मिलकर काम किया जा सके। बताते चलें कि प्रो. केरकेनी, फैकल्टी डेस साइंसेज डे ट्यूनिस, यूनिवर्सिटी ट्यूनिस एल मनार, ट्यूनीशिया में क्वांटम रसायन विज्ञान अनुसंधान समूह की प्रमुख हैं। उनका शोध इंटरस्टेलर माध्यम में जीवन की उत्पत्ति के परिणामी प्रभावों के साथ भौतिक और रासायनिक प्रक्रियाओं को समझने पर केंद्रित है। गैस चरण में रासायनिक प्रतिक्रियाओं के क्षेत्र और इंटरस्टेलर माध्यम के धूल कणों पर छात्रों के लिए ऑनलाइन सेमिनार और कार्यशाला आयोजित करने के बारे में कई विचारों पर सकारात्मक पहल की गई है। प्रो. केरकेनी ने बताया कि कुलपति के साथ बातचीत मे ट्यूनीशिया और भारत के बीच छात्रों के आदान-प्रदान पर भी चर्चा हुई। उन्होंने भौतिक विज्ञान विभाग के अन्य सदस्यों से भी साझा शैक्षणिक गतिविधियों पर चर्चा की, जिनमे प्रोफेसर अमृतांशु शुक्ल और डा विवेक कुमार सिंह भी शामिल रहे। प्रोफेसर केरकेनी लखनऊ विश्वविद्यालय में विभागों की संख्या, विश्वविद्यालय के छात्र केंद्रित वातावरण और परिसर में स्वादिष्ट भारतीय भोजन से काफी प्रभावित हुईं। उन्होंने मेजबान टीम का आभार व्यक्त किया और इस बहुसांस्कृतिक शहर में आने का आनंद लिया।

एलयू के भौतिकी विभाग को 5 साल के लिए मिले 2 करोड़

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। राजधानी स्थित एलयू के भौतिकी विभाग के प्रस्ताव को डीएसटी-फिस्ट सलाहकार बोर्ड द्वारा अनुशंसित किया गया है। विभाग को 5 साल की अवधि के लिए 2 करोड़ की राशि दी गई है। पिछली बार विभाग को 19 लाख रुपये की डीएसटी-एफआईएसटी सहायता वर्ष 2003-08 में मिली थी। 4 अक्टूबर को आईआईटी मुंबई में विशेषज्ञ समिति के समक्ष इस परियोजना के लिए प्रस्तुति दी गई थी। विभाग को मुख्य रूप से विभाग में अनुसंधान सुविधाओं को मजबूत करने के लिए परियोजना से सम्मानित किया गया है। परियोजना में एनालिटिकल स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप के लिए 14 लाख रुपये और थर्मोग्रैविमेट्रिक एनालाइजर के लिए 40 लाख रुपये की राशि रखरखाव आदि के लिए है। यह मौद्रिक सहायता विभाग में पहले से ही प्रगतिशील अनुसंधान और शोध के इकोसिस्टम को बढ़ावा देने का कार्य करेगी। एनालिटिकल स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप : विभिन्न सामग्रियों की सर्फेस मॉर्फोलॉजी और मौलिक विश्लेषण के लिए एक आवश्यक उपकरण है। इसके अलावा एसईएम, लक्षण वर्णन और विश्लेषणात्मक क्षमताएं मैटेरियल साइंसेज में अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों के लिए आवश्यक और मौलिक उपकरण है। थर्मोग्रैविमेट्रिक एनालाइजर : यह 1600 डिग्री सेल्सियस तक के सैंपल्स का विश्लेषण करने की क्षमता के साथ एक कॉमैक्ट हाई टेंपरेचर सिमल्टेनियस थर्मल विश्लेषक है। दोहरे पैन दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए यह एक नियंत्रित वातावरण में सैंपल्स की एक श्रृंखला पर सटीक वेट लॉस और हिस्टेरिसिस थर्मल डेटा प्रदान करता है। यह समर्पित सॉफ्टवेयर द्वारा नियंत्रित एक ही सैंपल पर एक साथ थर्मोग्रैविमेट्रिक और हिस्टेरिसिस थर्मल विश्लेषण करने की क्षमता रखता है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कई छात्र-छात्राओं ने कैट में हासिल की सफलता

जागरण संवाददाता, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के कई छात्र-छात्राओं ने कैट में सफलता हासिल की है। इसमें शिवांश निगम ने 99.33 परसेंटाइल, तुषार रंजन श्रीवास्तव ने 97.46, अंशिका गुप्ता 96.48, नमन केलवानी ने 96.09 परसेंटाइल अंक हासिल किया है। इसके अलावा नेशनल पीजी कालेज से यश सिंह 95.93 परसेंटाइल लेकर सफल हुए हैं। इसी कालेज के मानस निगम को 91.21 परसेंटाइल अंक मिले हैं।